पाठ-मूल्यांकन

पाठ शुरू करने से पूर्व शिक्षक को कक्षा के बच्चों के स्वभाव, व्यवहार को जान लेना ज़रूरी है। बच्चों के साथ अपना मेलजोल बढ़ाना चाहिए। शिक्षक को इससे पढ़ाने की कौन-सी विधि अपनानी है, इसका ज्ञान हो जाता है। कभी बच्चे बड़े नटखट होते हैं और कभी वे बड़े भोले, नादान और मौन होते हैं। इस परिदृश्य का निरीक्षण करने पर ही शिक्षक बच्चों की सही नींव डालने में सफल होता है। इस उम्र के बच्चे उत्सुक होते हैं, वे शिक्षक की बात खूब मानते और सुनते हैं इसलिए शिक्षक मित्रवत तथा टॉफी की भाँति हो। उन्हें खेल-खेल में, बातों-बातों में सिखाएँ। इस कक्षा में मुख्य लक्ष्य–वस्तुओं के नाम बताना, शब्द की जानकारी देना और शब्द भंडार बढ़ाना है।

क्र. सं.	पाठ का नाम	उद्देश्य	भाषा विकास	गतिविधियाँ
*	मेरा जन्मदिन	वस्तुओं के नाम की जानकारी बातचीत करने की शुरुआत	सुनना, बोलना, प्रश्न सुनना, उत्तर देना	जन्मदिन का चित्र दिखाकर प्रत्यक्ष प्रणाली से सिखाना
*	बातूनी कछुआ	चित्रों को दिखाकर बच्चों में उत्सुकता उत्पन्न करना, कहानी जानने की जिज्ञासा, मन में रोचकता आदि	सुनने की क्षमता का विकास, रोचकता उत्पन्न करने की क्षमता का विकास, सुनने के साथ समझने की शक्ति का विकास	प्रत्यक्ष प्रणाली द्वारा सिखाना, चित्र देखकर बच्चे सीखते हैं खेल-खेल में
1.	पहचानो तो जानें	चित्रों को देखकर नाम जानना आकर्षक रोचक चित्रों के प्रति बढ़ावा	उच्चारण द्वारा बताना, नाम सिखाना	चित्र दिखा-दिखाकर नाम का शब्द सिखाना
2.	स्वर वर्ण	अक्षर ज्ञान (स्वर वर्ण)	उसी अक्षर के शब्द सुनने बोलने का कौशल	लय-स्वर से पढ़ते हुए बच्चों से पढ़वाना, बुलवाना
3.	व्यंजन वर्ण • आइए दोहराएँ • व्यंजन वर्ण • आइए दोहराएँ • जोकर का चित्र	व्यंजन वर्ण-अक्षर ज्ञान क से न तक प्रत्यास्मरण 'प' से 'ह' तक प्रत्यास्मरण खेल-खेल में व्यंजन वर्ण जानना क्रम से मिलाना तथा दोहराना	उसी अक्षर के शब्द सुनने बोलने का कौशल बोलने की कला सुनने-बोलने तथा लिखने का शिक्षण सुनने-बोलने तथा लिखने का शिक्षण व्यंजन वर्ण का ज्ञान	स्वर लय-ताल से सुनाना और बुलवाना ज़ोर-ज़ोर से पढ़वाना तथा बोलने की प्रेरणा देना ज़ोर-ज़ोर से बोलना पहचानने की प्रक्रिया वर्णों को क्रम से मिलाना फिर मनोरंजक विधि से रंग भरना

क्र. सं.	पाठ का नाम	उद्देश्य	भाषा विकास	गतिविधियाँ
4.	वर्णमाला दोहराइए	प्रत्यास्मरण	स्वर-व्यंजन का पूर्ण ज्ञान	ज़ोर-ज़ोर से पढ़ना-जानना
5.	दो अक्षरवाले शब्द	जोड़कर पढ़ना, चित्रों के नाम याद रखना, अंतिम अक्षर लिखना	पढ़ने की कला, पढ़ना-लिखना, लिखावट सिखाना	पहले सीखना फिर रोचक ढंग से जानना-करना, खाली जगह भरना
*	चतुर खरगोश	चित्रकथा-रोचकता	भाषा का विकास	चित्र देखकर कहानी कहना
6.	तीन अक्षरवाले शब्द	तीन अक्षरों को बताना, छोटे-छोटे वाक्य सिखाना	पढ़वाना, सिखाना, पढ़िए-लिखिए में लिखावट सिखाना	चित्रों को समझना नाम ढूँढ़ना, खाली जगह भरना, फिर उनसे शब्द सीधे करवाकर लिखवाना, रेखाओं को जोड़कर रंगीन कागज़ के टुकड़े चिपकाना
7.	चार अक्षरवाले शब्द • आइए दोहराएँ	चार अक्षर जोड़कर पढ़ना प्रत्यास्मरण	पढ़ना, समझना	चित्र दिखाकर लिखने का प्रशिक्षण, जोड़कर लिखना चित्र देखकर नाम पूरे करना
8.	क्रिया रूप	शब्द सिखाने के बाद क्रिया सिखाना	पढ़ना, समझना, सुनना, दोहराना	प्रत्यक्ष प्रणाली चित्रों द्वारा अभ्यास
9.	हरहर और खरखर	कथा द्वारा रोचकता पैदा करना	बातचीत, प्रश्नादि सिखाना	चित्र कथा
10.	घन आए	बादलों के माध्यम से कविता पाठ	शब्द ज्ञान, अक्षर जोड़कर बनाना	अभ्यास द्वारा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष प्रणाली चित्रों में रंग भरना
11.	चित्र-वर्णन (फलवाला)	सही-गलत द्वारा समझाना	सोचना, फिर उत्तर देना	चर्चा करना